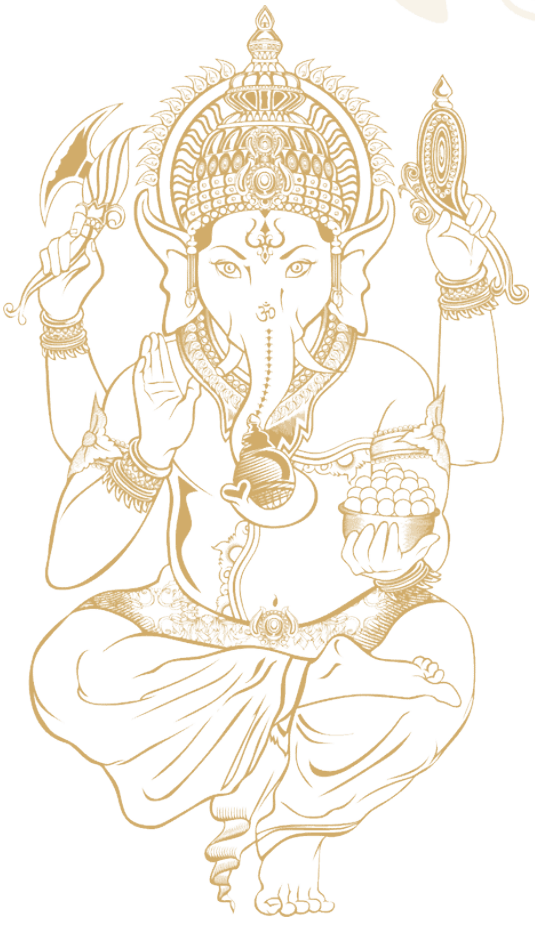

Saurav Jha

Ragini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119371006

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
27/11/1997 :	जन्म तिथि	: 20/09/1994
गुरुवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 13:30:00 :	जन्म समय	: 14:30:00 घंटे
घटी 18:29:44 :	जन्म समय(घटी)	: 22:32:43 घटी
India :	देश	: India
Godda :	स्थान	: Arrah
24:50:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:34:00 उत्तर
87:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 84:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:18:52 :	स्थानिक संस्कार	: 00:08:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:06:06 :	सूर्योदय	: 05:39:00
16:51:24 :	सूर्यास्त	: 17:50:22
23:49:34 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:13

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 14वर्ष 4मा 7दि		10:55:52	मीन	लग्न	मक	02:22:03	शनि 10वर्ष 1मा 14दि	
गुरु		11:16:55	वृश्चि	सूर्य	कन्या	03:23:22	केतु	
04/04/2012		09:22:06	तुला	चंद्र	मीन	09:33:44	04/11/2021	
04/04/2028		19:56:00	धनु	मंगल	मिथु	27:54:17	04/11/2028	
गुरु	24/05/2014	02:44:05	धनु	बुध	कन्या	28:41:02	केतु	02/04/2022
शनि	04/12/2016	22:10:18	मक	गुरु	तुला	19:16:32	शुक्र	02/06/2023
बुध	12/03/2019	26:18:34	धनु	शुक्र	तुला	15:46:30	सूर्य	08/10/2023
केतु	16/02/2020	20:02:12	मीन व	शनि व	कुंभ	13:50:32	चन्द्र	08/05/2024
शुक्र	17/10/2022	22:41:23	सिंह व	राहु व	तुला	21:55:20	मंगल	04/10/2024
सूर्य	05/08/2023	22:41:23	कुंभ व	केतु व	मेष	21:55:20	राहु	23/10/2025
चन्द्र	04/12/2024	11:42:44	मक	हर्ष व	धनु	28:39:30	गुरु	29/09/2026
मंगल	10/11/2025	04:00:49	मक	नेप व	धनु	26:49:42	शनि	08/11/2027
राहु	04/04/2028	11:37:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	02:04:00	बुध	04/11/2028

लग्न-चलित

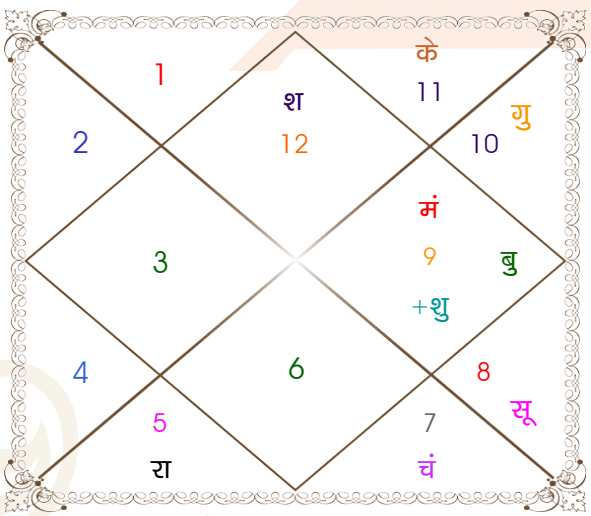

लग्न-चलित

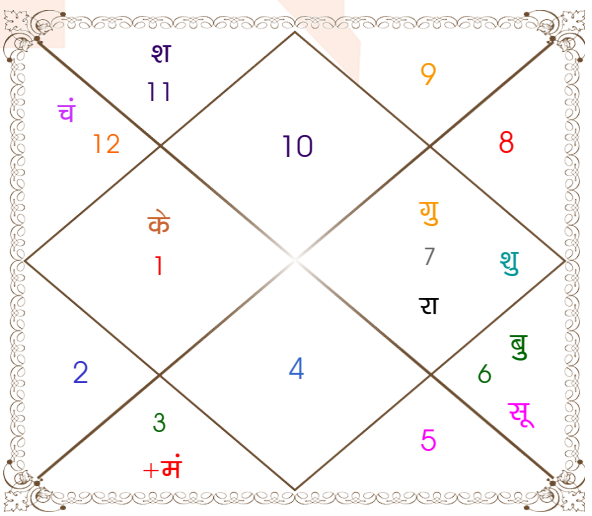

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ैनतंअ श्रीं का वर्ग मृग है तथा त्ंहपदप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैनतंअ श्रीं और त्ंहपदप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनतंअ श्रीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्ंहपदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ैनतंअ श्रीं तथा त्ंहपदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।